99 से 90: RBI ने CRR की दैनिक गिनती क्यों ढीली की

समाचार-संदर्भ: 27 नवंबर 2026

प्रकाशन: 28 नवंबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-III, अर्थव्यवस्था, मौद्रिक नीति और तरलता



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

1. खबरों में क्यों
2. क्या बदला और क्या नहीं बदला
3. क्रमवार घटनाएँ
4. बदलाव के पीछे के आँकड़े
5. कैसे काम करेगी यह छूट
6. परीक्षा की दृष्टि से महत्व
7. आगे की राह
8. निष्कर्ष
9. मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न
10. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
11. स्रोत

खबरों में क्यों

RBI ने 27 नवंबर 2026 को सभी अनुसूचित बैंकों को परिपत्र जारी कर कहा कि CRR का दैनिक न्यूनतम रखरखाव अब 99% के बजाय 90% रहेगा। यह बदलाव 1 दिसंबर 2026 से शुरू होने वाले रिपोर्टिंग पखवाड़े से प्रभावी है। ध्यान देने योग्य बात है कि अभी 9 अक्टूबर 2026 के परिपत्र से ही यह सीमा 90% से बढ़ाकर 99% की गई थी — तब बैंकिंग तंत्र में तरलता अधिशेष था, और अब तरलता घाटे में है। डेढ़ महीने के भीतर घुमाव का कारण बैंकिंग तंत्र की बदली हुई तरलता स्थिति है।

बुनियादी बातें: **नकद आरक्षित अनुपात (CRR)**: अनुसूचित बैंकों को अपनी कुल माँग और समय देयताओं (NDTL) का एक निश्चित प्रतिशत नकद के रूप में RBI के पास रखना होता है; इस पर ब्याज नहीं मिलता। **दैनिक न्यूनतम रखरखाव**: पखवाड़े के औसत CRR की शर्त पूरी करते हुए हर दिन कम-से-कम कितना प्रतिशत रखना ज़रूरी है — यही 99% से घटकर 90% हुआ है। **तरलता घाटा**: जब बैंकिंग तंत्र के पास RBI से उधार लेने जितनी जरूरत हो; इसके विपरीत स्थिति तरलता अधिशेष। **वेरिएबल रेट रेपो (VRR) नीलामी**: RBI द्वारा बैंकों को अल्पकालिक धन देने की प्रक्रिया। **WACR**: भारित औसत कॉल दर — अंतरबैंक उधारी की रातों-रात की ब्याज दर।

क्या बदला और क्या नहीं बदला

बदला: दैनिक न्यूनतम रखरखाव — यानी पखवाड़े के औसत की शर्त पूरी करते हुए किसी दिन बैंक कितना कम CRR रख सकता है। पहले (16 अक्टूबर 2026 से) यह आवश्यक CRR का 99% था; अब 1 दिसंबर 2026 से 90% होगा।

नहीं बदला: CRR की दर — यह शुद्ध NDTL का 3.0% ही रहती है (29 नवंबर 2025 से लागू चरणबद्ध कटौती के बाद)। इसलिए इसे 'CRR में कटौती' कहना गलत होगा; यह रखरखाव की दैनिक गिनती में छूट है, जो बैंकों को रोज़ के नकदी-प्रबंधन में लचक देती है।

क्रमवार घटनाएँ

तारीख	कदम	पृष्ठभूमि
29 नवंबर 2025 से	CRR दर चरणबद्ध कटौती के बाद NDTL का 3.0%	तरलता को सहारा देने की दिशा
5–7 अक्टूबर 2026	मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर 25 आधार-अंक बढ़ाकर 5.50% की; रुख 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग'	मुद्रास्फीति 4.8% (अगस्त 2026) पर बढ़ी
9 अक्टूबर 2026	दैनिक न्यूनतम CRR रखरखाव 90% से बढ़ाकर 99% (16 अक्टूबर के पखवाड़े से)	तब तरलता अधिशेष की स्थिति
27 नवंबर 2026	दैनिक न्यूनतम रखरखाव 99% से घटाकर 90% (1 दिसंबर के पखवाड़े से)	तरलता घाटे में बदलाव

बदलाव के पीछे के आँकड़े

प्रेस रिपोर्टों के अनुसार बैंकिंग तंत्र का तरलता घाटा 25 नवंबर 2026 को 32,216 करोड़ रुपये से बढ़कर 26 नवंबर को 47,641 करोड़ रुपये हो गया। भारित औसत कॉल दर (WACR) 27 नवंबर को 5.76% पर पहुँच गई — जो RBI की सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर 5.75% से भी ऊपर है; सामान्यतः WACR नीति दर (रेपो 5.50%) के आसपास रहती है। उसी दिन RBI की तीन दिवसीय VRR नीलामी में 75,000 करोड़ रुपये की पेशकश के मुकाबले 1.35 लाख करोड़ रुपये की बोलियाँ आईं; RBI ने 5.66% की भारित औसत दर पर 75,006 करोड़ रुपये आवंटित किए। ये संकेत बताते हैं कि बैंकों को रातों-रात के धन की सख्त जरूरत है।

कैसे काम करेगी यह छूट

उदाहरण से समझिए। मान लीजिए किसी बैंक की पखवाड़े की औसत CRR आवश्यकता 100 रुपये प्रतिदिन की है। 99% की सीमा पर उसे हर दिन कम-से-कम 99 रुपये रखने होते, यानी लचक केवल 1 रुपये की। 90% की सीमा पर वह किसी दिन 90 रुपये तक उतर सकता है — बशर्ते पखवाड़े का औसत 100 रुपये बना रहे। यानी कमजोर नकदी वाले दिनों में बैंक को 9 गुना ज्यादा सांस मिलती है, जबकि औसत शर्त अपरिवर्तित रहती है। इससे बैंक महंगी तात्कालिक उधारी पर कम निर्भर रहते हैं।

परीक्षा की दृष्टि से महत्व

प्रिलिम्स तथ्य: परिपत्र की तारीख (27 नवंबर 2026), प्रभावी तारीख (1 दिसंबर 2026 का पखवाड़ा), सीमा (99%→90%), CRR दर अपरिवर्तित (3.0% NDTL), और अक्टूबर में उल्टी दिशा का कदम (90%→99%) — ये भ्रम पैदा करने वाले बिंदु हैं, प्रश्न इसी भेद पर बन सकता है।

PCSMANTRA.COM

मेंस कोण: मौद्रिक नीति के दो स्तर — दर-निर्णय (रेपो) और तरलता-प्रबंधन (CRR रखरखाव, VRR/SDF/MSF) — अलग-अलग कैसे काम करते हैं; 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' के रुख में तरलता-छूट का तालमेल।

संबंधित अवधारणाएँ: LAF कॉरिडोर (SDF 5.25% — रेपो 5.50% — MSF 5.75%), WACR का संचालन लक्ष्य के रूप में महत्व — इन पर pcsmantra का रेपो-दर लेख पहले से उपलब्ध है।

आगे की राह

नज़र रखने योग्य: 1 दिसंबर के पखवाड़े में WACR और तरलता-घाटे की दिशा; VRR नीलामियों की आवृत्ति और आकार।

नीति-संकेत: अगर घाटा टिका रहा तो अवधि-आधारित तरलता के अगले कदम (जैसे लंबी अवधि की रेपो नीलामियाँ) संभव हैं; अधिशेष लौटने पर रखरखाव-सीमा फिर बदल सकती है — अक्टूबर-नवंबर का घुमाव यही दिखाता है।

निष्कर्ष

RBI का 27 नवंबर 2026 का परिपत्र दर-कटौती नहीं, दैनिक लचक है: CRR दर 3.0% पर स्थिर, पर रोज़ की गिनती 99% से 90%। परीक्षा में तीन बातें याद रखें — क्या बदला, क्यों बदला (तरलता घाटा, WACR>MSF), और कब से लागू (1 दिसंबर 2026 का पखवाड़ा)।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "मौद्रिक नीति में दर-निर्णय और तरलता-प्रबंधन अलग-अलग लेकिन परस्पर पूरक उपकरण हैं।" RBI के हालिया कदमों के आलोक में विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: 27 नवंबर 2026 के परिपत्र का संक्षिप्त संदर्भ (दैनिक न्यूनतम CRR रखरखाव 99%→90%, 1 दिसंबर से)।

मुख्य भाग में: अंतर: दर-पक्ष (रेपो 5.50%, 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' — मुद्रास्फीति पर नियंत्रण) बनाम तरलता-पक्ष (CRR रखरखाव, VRR, MSF/SDF कॉरिडोर — बाजार में धन की उपलब्धता)। पूरकता: तरलता घाटे में WACR का MSF से ऊपर जाना संचार को कमजोर करता है; रखरखाव-छूट और VRR से WACR को रेपो के आसपास लाने की कोशिश। उदाहरण: अक्टूबर (अधिशेष में 99%) बनाम नवंबर (घाटे में 90%) — स्थिति-आधारित उपयोग। सीमा: यह स्थायी तरलता-इंजेक्शन नहीं; संरचनात्मक घाटे में और उपकरण चाहिए।

निष्कर्ष में: लचीले, दो-तरफा तरलता-ढाँचे को नीति-संचार की मजबूती के रूप में समापन।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: RBI ने 27 नवंबर 2026 को CRR का दैनिक न्यूनतम रखरखाव 99% से घटाकर 90% किया है (1 दिसंबर 2026 के पखवाड़े से); CRR की दर 3.0% पर अपरिवर्तित है — यह बैंकों को तरलता-घाटे के समय रोज़ की नकदी में लचक देने का कदम है।

प्रश्न 1. क्या इसका मतलब CRR में कटौती है?

नहीं। CRR की दर NDTL का 3.0% ही है। बदलाव 'हर दिन कम-से-कम कितना रखना है' की सीमा में है — 99% से 90%; पखवाड़े की औसत शर्त पहले जैसी है।

प्रश्न 2. RBI ने ऐसा क्यों किया?

बैंकिंग तंत्र तरलता-घाटे में है: 26 नवंबर 2026 को घाटा करीब 47,641 करोड़ रुपये था और WACR 5.76% पर MSF दर से ऊपर चल रही थी; बैंकों की रोज़ की नकदी-जरूरत बढ़ी है।

प्रश्न 3. क्या यह कदम पहले भी लिया गया था?

हाँ, उल्टी दिशा में — 9 अक्टूबर 2026 को तरलता-अधिशेष के समय यही सीमा 90% से बढ़ाकर 99% की गई थी; यह उपकरण दोनों दिशाओं में इस्तेमाल होता है।

PCSMANTRA.COM

स्रोत

1. RBI परिपत्र, 27 नवंबर 2026 (DoR.RET.REC.262/12.01.001/2026-27): https://www.rbi.org.in/Scripts/NotificationUser.aspx?Id=13759&Mode=0
2. CRR/SLR मास्टर दिशानिर्देश (अद्यतन 9 अक्टूबर 2026): https://www.rbi.org.in/SCRIPTs/BS_ViewMasDirections.aspx?id=13160
3. MPC समाधान, 5-7 अक्टूबर 2026: https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=63742
4. तरलता आँकड़े और VRR नीलामी — रिपोर्ट: https://www.moneycontrol.com/news/business/banks/rbi-eases-daily-crr-maintenance-to-90-from-99-as-liquidity-tightens-14090465.html
5. परिपत्र-सार — PTI: https://www.ptinews.com/detail/business/RBI-cuts-CRR-maintenance-requirement-back-to-90-pc-from-Dec-1/4299150

PCSMANTRA.COM